



बेटे के दोस्त पर कामुक दृष्टि-2

“जब से उसने अपने बेटे के दोस्त का लंड देखा था, वो उसे भुला नहीं पा रही थी. शायद वो उसको पाना चाहती थी. लेकिन बेटे का दोस्त तो बेटा ही होता है न! तो क्या करे वो ? ...”

Story By: (someone)

Posted: Sunday, August 4th, 2019

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [बेटे के दोस्त पर कामुक दृष्टि-2](#)

बेटे के दोस्त पर कामुक दृष्टि-2

❓ यह कहानी सुनें

एक दिन सुबह नहाने के बाद, वो शीशे के सामने बिना कपड़े पहने खड़ी थी. अपने खुद के शरीर को देखते हुए और पूरे शरीर पर हाथ फिराते हुए उसके दिमाग में केवल अंकित का ही ख्याल आ रहे थे. उसके होंठों पर एक मुस्कान आ गयी ये सोचते हुए की अगर यही सब अंकित उसके साथ कर रहा होता.

उसने खुद से कहा- बहुत हुआ अब ! अब मुझे ही कुछ करना पड़ेगा. ये शायद उतना बुरा नहीं होगा जितना मुझे लग रहा है.

अंकित का लगातार उसके घर में रहना उसकी कल्पनाओं को और बढ़ावा दे रहा था. उसकी निगाहें वो अपने पूरे शरीर पर महसूस करती थी. वो उसको पाना चाहती थी, लेकिन बिना उसको अहसास दिलाये. उसको कभी कभी खुद पर शक होता कि जो इतना वक्रत वो इस चीज़ में लगा रही है, वो किसी काम का होगा या नहीं. क्या वो कभी उसको आकर्षित कर पायेगी ?

दो दिन बाद उसके घर की घंटी बजी तो वो दरवाज़ा खोलने गयी. दरवाज़ा खोलने पर उसने देखा कि वहां अंकित खड़ा था मुस्कराता हुआ. उसने दरवाज़े के अन्दर कदम रखा और शबनम आगे झुकी उसको गले लगाने के लिए जैसा वो हर बार करती है.

लेकिन इस बार ये थोड़ा सा अलग था. उसकी छातियाँ बाहर को आ गयी थी और अंकित के सीने से छू रही थी. इसमें हालाँकि ऐसा कुछ अलग नहीं था, लेकिन फिर भी उसको महसूस हो रहा था. इस बार उसके गाल पर एक हल्के चुम्बन के बजाये, उसने अपने होंठों

को उसके होंठों पर रख दिया कुछ सेकंड्स के लिए.

अंकित ने उसकी तरफ असमंजस में देखा और मुस्कराते हुए चुम्बन का जवाब देने के लिए उसकी तरफ बढ़ा. उसने उसके होंठों पर हल्का सा चुम्बन दिया. शबनम ने एक कामुकता भरी मुस्कान से उसकी तरफ देखा और अपने होंठों पर जबान फेर दी.

अपने आप को सँभालते हुए, उसने कहा- अन्दर आ जाओ अंकित !
अपने आप पर किसी तरह काबू पाते हुए उसने कहा.

वो दोनों लिविंग रूम में गए और सोफे पर एक दूसरे के बगल में बैठ गए. उस वक़्त घर पर कोई नहीं था और वो दोनों ऐसे ही एक दूसरे से बात करने लगे.

बातों के बीच में उसने कहा- अंकित आज घर में बहुत सारा काम था, मेरे पैर इतना ज्यादा दर्द कर रहे हैं.

“ओह आंटी ! लाइये मैं आपके पैरों की मसाज कर देता हूँ.”

“थैंक यू !” शबनम ने मुस्कराते हुए अंकित से बोला.

अंकित नीचे बैठ गया और शबनम के पैरों को अपने हाथों में ले लिया. उसने धीरे धीरे पैरों को दबाना शुरू कर दिया और उँगलियों को और पोरों को हल्के हल्के सहलाना शुरू कर दिया.

शबनम को हल्का हल्का अहसास होना शुरू हुआ. उसको लगने लगा कि शायद आज वह वो पाने में सफल होगी, जिसकी उसको इतने दिनों से इच्छा हो रही थी. वो इस स्पर्श के लिए इतने दिनों से तड़प रही थी.

वो सोच रही थी कि क्या वो समझ पा रहा है वो क्या चाहती है ? इतने दिनों से उसके दिमाग में जो ख्याल चल रहे हैं, क्या उसको अंदाज़ा हो गया है ? उसने अपने पैरों को और

ज्यादा फैलाकर उसकी गोद में रख दिया और एक चैन भरी सांस ली.

“आपके पैर बहुत खूबसूरत हैं !” अंकित ने उसकी तारीफ करते हुए कहा.

अपनी आँखों में भूख और होंठों पर मुस्कान लिए शबनम ने उसकी तरफ देखा- थैंक्स !

उसके दिल की धड़कन रुक सी गयी जब उसने उसकी सलवार को थोड़ा सा ऊपर किया और थोड़ा ऊपर मसाज करने लगा. बढ़ी हुई धड़कनों के साथ उसने पूछा- ये क्या कर रहे हो बेटा ?

“आप थकी हुई हैं आंटी ! आपको आराम मिले इसलिए ये कर रहा हूँ.”

शबनम को पता था कि अंकित की ये हरकतें उसको आराम पहुँचाने के बजाय उसकी परेशानियों को और बढ़ाएंगी ही. उसको और ज्यादा चाहिए था, इससे कहीं ज्यादा.

“मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है.” अंकित ने कहा.

उसको महसूस हुआ जैसे अंकित उसके शब्दों को बोल रहा है.

“क्या विश्वास नहीं हो रहा ?”

“कि मैं सच में आपके पैरों को छू रहा हूँ और महसूस कर रहा हूँ.” उसने जवाब दिया.

वो शबनम की तरफ असमंजस भरी निगाहों से देख रहा था. जैसे कुछ पूछने से पहले भांप रहा हो. उसके ये बोलने पर वो हल्के से हँसी और उसका साथ देने के लिए अंकित भी मुस्करा दिया.

“दरअसल मैं बहुत दिनों से आपसे कुछ कहना चाह रहा था.”

“क्या ?”

“मुझे समझ में नहीं आ रहा कि कैसे कहूँ और कहाँ से शुरू करूँ ?”

“क्या हुआ अंकित क्या तुम्हें पैसों की जरूरत ? अगर ऐसी बात है तो बोलो.”

“नहीं नहीं आंटी पैसे या ऐसी कोई बात नहीं है.”

“अच्छा ! फिर क्या है बताओ ?”

उसने उसकी तरफ देखा फिर अपनी नज़रों को नीचा करते हुए कहा- आंटी आप बहुत खूबसूरत हैं, और मैं आपको पसंद करता हूँ.

“थैंक्स अंकित ... लेकिन इसमें इतना घबराने वाली क्या बात थी. मैं भी तुम्हें पसंद करती हूँ. और कौन तुम्हें पसंद नहीं करेगा.” उसने मुस्कराते हुए जवाब दिया.

वह अच्छी तरह से जानती थी कि उसका क्या मतलब है. उसका दिल भी दौड़ रहा था और उसे लग रहा था जैसे उसका सपना सच हो रहा है. वह इससे कुछ ही कदम दूर है. वह अपने अन्दर वासना और जुनून का विस्फोट महसूस कर रही थी. वह उसके लिए पूरी तरह से तैयार थी.

उसने फैसला किया कि अगर ऐसा होना है तो यह सही समय और अवसर है. वह इस मौके को गंवा नहीं सकती थी. वह जानती थी कि अगर वह ऐसे ही शर्माती रही तो वह इस मौके से चूक सकती है. और कौन जानता है कि यह दोबारा कब आएगा. उसे इस अवसर को पूरी तरह से भुनाना है.

वह उसके पास पहुंची और उसके हाथों को अपने हाथों में लेकर उंगलियों को उलझा दिया. शबनम का दिल तेज़ी से धड़क रहा था मानो कोई अंदर से उसे सहला रहा हो. वह अपने बेटे के सबसे अच्छे दोस्त का हाथ पकड़ रही थी, जो उसकी उम्र का आधा था और वह जानती थी कि यह कहां खत्म होने वाला है. अंकित की मासूमियत और उम्र ने उसकी भावनाओं को बढ़ा दिया.

उसके साथ उसका यौन आकर्षण चरम पर था और नैतिकता, उम्र के अंतर और उसके व्यवहार को शामिल करने वाले सभी कारण उसकी उत्तेजना को और बढ़ा रहे थे. जैसे-जैसे वह खुद से लड़ने की कोशिश कर रही थी, उसके पूरे शरीर में एक सनसनी दौड़ रही थी. वह

अपनी जाँघों के बीच एक ज्वालामुखी को महसूस कर सकती थी जो उसे एक नम गर्म अहसास दे रही थी.

वह जानती थी कि खुद को संतुष्ट करने का अंकित की एकमात्र तरीका है. वह उसे जाने देने का जोखिम नहीं उठा सकती थी. अंकित शर्म के मारे नीचे फर्श पर नीचे देख रहा था. वह उसके बगल में फर्श पर चली गई और उसकी ओर और अधिक झुक गई.
शबनम को लगा कि अंकित नर्वस है और अब आगे खुद से पहल नहीं करेगा.

वह उसके बगल में फर्श पर चली गई और उसकी ओर और अधिक झुक गई. उसके कानों में फुसफुसायी- मैं तुम्हें बहुत पसंद करती हूँ अंकित ... और मुझे पता है कि तुम भी मुझे चाहते हो. है ना ?

शबनम अब तक मुस्कुरा रही थी. वह अपनी भावनाओं को रोक नहीं पा रही थी और लगातार भारी सांस ले रही थी।

वह उसकी ओर अपने शरीर को धकेलता हुआ ले गया और कहा- हम्म आंटी !
वो अभी भी घबराया था और शर्मा रहा था.

अचानक उसने सोचा कि अंकित को थोड़ा और तडपाया जाये. वो नहीं चाहती थी कि अंकित को लगे कि जैसे वो उसके लिए तैयार ही बैठी थी.

उसने उसे थोड़ा धक्का दिया और उससे दूर चली गई- अंकित, मैं थक गयी हूँ और मैं सोने जा रहा हूँ. बाद में मिलती हूँ तुमसे.

उसके उठते ही अंकित के चेहरे पर निराशा का भाव आ गया. अपने पूरे दिल से वह चाहती थी कि वह उसे रोके लेकिन वह अपनी भावनाओं को छुपा रही थी.

उसके साथ, वह भी उठ गया और उसका हाथ पकड़ लिया. उसको कसकर गले लगा लिया और कहा- आंटी प्लीज रुक जाइये.

हताशा के साथ-साथ वह उसकी आवाज़ में उदासी भी महसूस कर सकती थी. अंदर ही अन्दर वह मुस्कुरा रही थी क्योंकि उसे लगा कि वह अभी भी अपने बेटे की उम्र के लड़के को रिझा सकती है.

“अंकित, प्लीज ऐसा न करो. मुझे छोड़ दो.” उसने बहुत शांत लहजे में कहा.

“आंटी प्लीज !”

उसने उसे अपने चंगुल से मुक्त करने के लिए धक्का दिया और कहा- हम सीमा को पार कर जाएंगे और मैं ऐसा नहीं चाहती.

“अगर आप ऐसा महसूस कर रही हैं, तो मैं कभी भी यहाँ नहीं आऊँगा लेकिन मैं आपको सच में चाहता हूँ.”

“मुझे पता है कि यह मेरी ओर से गलत है क्योंकि आप मेरे सबसे अच्छे दोस्त की माँ हैं लेकिन आप मेरे लिए उससे कहीं बढ़कर हैं. और ऐसा सोचने से मैं खुद को नहीं रोक सकता.”

“जब भी मैं आपकी ओर देखता हूँ, मुझे कुछ और ही दुनिया लगती है. मैं अक्सर आतिफ से मिलने के लिए नहीं बल्कि आपको देखने के लिए इस घर में आता हूँ. हर बार जब आप मुझे गले लगाती हैं या मैं आपको छूता हूँ, तो मुझे एक अलग ही भावना महसूस होती है. मैं आपको अपने दिल से चाहता हूँ.”

“नहीं अंकित, मेरा मतलब यह नहीं था. लेकिन मुझे डर लगता है कि अगर कोई हमें देख ले तो क्या होगा. तुम जानते हो कि यह हम दोनों के जीवन को बर्बाद कर देगा.” अंकित को समझ नहीं आ रहा था की शबनम को कैसे रोका जाए.

निराशा में अंकित ने अपने सिर को नीचे कर लिया और कहा- कोई हमें कैसे देख सकता है. इसका सिर्फ एक ही मतलब है कि आप मुझे पसंद नहीं करती.

उसकी आँखों में आँसू भरे हुए थे जैसे कि उसके बचपन का सपना टुकड़ों में बिखर गया हो.

अब वह इसके लिए दोषी महसूस कर रही थी. लेकिन यह उसे और अधिक उत्तेजित कर रहा था.

“नहीं ऐसा नहीं है. मैं भी तुम्हें बहुत पसंद करती हूँ.” यह कहते हुए वह उसकी ओर बढ़ी और उसका चेहरा अपने हाथों में पकड़ लिया.

यह कहते हुए वह उसकी आँसू भरी आँखों में देख रही थी. उसकी मुस्कुराहट अंकित को थोड़ा आराम देती है लेकिन फिर भी बहुत विश्वास के साथ नहीं. उसने अंकित का चेहरा पकड़ कर थोड़ा सा ऊपर उठा लिया और उसकी आँखों में देखने लगी।

उसने उसके बालों को कान के पीछे ले जाकर माथे को सहलाया- मैं भी तुमसे प्यार करती हूँ लेकिन क्या तुम मुझसे कह रहे हो कि तुम मुझे चाहते हो ? जैसे कि पूरी तरह से ?

उसने उसे छिपे शब्दों में संकेत दिया।

वह अब भी तीन जादुई शब्दों को नहीं कहना चाहती थी। वह चाहती थी कि अंकित खुल कर उसके सामने आये.

“हाँ आंटी ! मैं आपको बहुत चाहता हूँ और आपको पाना चाहता हूँ. न केवल अब बल्कि हमेशा के लिए. मैं आपके सिवा कुछ सोच भी नहीं सकता.”

वह इस लड़के की मासूमियत पर मरी जा रही थी। इतने सालों बाद वह अपने पेट में तितलियों को महसूस कर रही थी. उसकी पैंटी पहले से ही योनिरस लथपथ थी और वह और ज्यादा सहन नहीं कर सकती थी। वह उसके लिए सब कुछ उतार देना चाहती थी.

“अंकित, मैं भी तुम्हें चाहती हूँ. और जो कुछ मेरे पास है, उसी के साथ मैं तुम्हारी होना चाहती हूँ. मेरे पास जो कुछ भी है मैं चाहती हूँ कि वह तुम्हें दे दूँ. लेकिन क्या यह गलत नहीं होगा ? तुम मेरे बेटे के सबसे अच्छे दोस्त हो ? हम ऐसा कैसे कर सकते हैं ?” उसने अपना आखिरी कार्ड खेला.

कहानी जारी रहेगी.

tosomeone08@gmail.com

Other stories you may be interested in

मस्ती की रात-2

इन चारों सहेलियों ने एक अपना व्हाट्सएप्प ग्रुप बना रखा था, पर सबने आपस में एक दूसरे को कसम दे रखी थी कि वे इस ग्रुप को अपने पतियों को भी नहीं बतायेंगी. और इस राज को उन्होंने आज तक [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बेटी की चुदाई का कारनामा

यह सेक्स कहानी मेरी बेटी की चुदाई उसके बॉयफ्रेंड के साथ है. एक रविवार मेरी बेटी मुझे बता कर अपने बॉयफ्रेंड के रूम में उससे मिलने गयी. तो वहां क्या हुआ होगा ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम उमा है. यह मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

नकली लंड से तोड़ी चूत की सील

दोस्तो, मैं जोया शर्मा ! मेरी सेक्स कहानी भाई ने मौका पाकर चोद दिया कई साल पहले प्रकाशित हुई थी. आज मैं अपनी एक सहेली की कहानी उसके कहने पर भेज रही हूँ. मजा लें. मेरा नाम राहत खान है और [...]

[Full Story >>>](#)

प्यासी विधवा औरत से प्यार और सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मैं राज रोहतक से अपनी कहानी लेकर फिर से हाजिर हूँ. यह कहानी पिछले साल की है, मैंने जो भी कहानियां यहां लिखी हैं, वो सभी एकदम सच हैं. मुझे खुद महसूस होता है कि मेरे लिखने का [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सास की कामवासना-1

दोस्तो, यह कहानी मेरी सासू माँ मोहिनी के बारे में है. मोहिनी की उम्र करीब 46 साल की रही होगी. उनका फिगर 36-32-36 का था. ये बात तब की है, जब मेरे ससुर जी को किसी काम से एक हफ्ते [...]

[Full Story >>>](#)

